10

तोत्तो चान

पाठ-प्रवेश

तोत्तो चान की माँ उसका ऐसे स्कूल में प्रवेश करवाना चाहती थीं, जहाँ पर अध्यापिकाएँ उसके बाल मन का ध
रखें और उसकी बाल-सुलभ गतिविधियों को समझ सकें। पिछले स्कूल की तरह उसके साथ कड़ाई से पेश न
पिछले स्कूल से उसे निकाल दिया गया था, क्योंकि उसकी वजह से अनुशासन में बाधा आती थी। इसलिए उसक
नया स्कूल देखने जाती हैं। इस पाठ में उसके नए स्कूल का वर्णन है।

बात पाठ की

मुख से

(क) नए स्कूल का दरवाज़ा पेड़ के दो तनों का था, जिस पर टहनियाँ तथा पत्ते भी थे।

(ख) स्कूल के बाग़ में तोत्तो-चान ने एक रेलगाड़ी देखी।

(ग) तोत्तो-चान को स्कूल अच्छा लग रहा था।

(घ) स्कूल के चारों ओर दीवारों की जगह पेड़ तथा बाग की क्यारियाँ थीं, जो लाल-पीले फूलों से पटी हुई थीं।

कलम से

1. (क) रेलगाड़ी के डिब्बे को देखकर तोत्तो-चान को लगा कि क्या रेलगाड़ी में स्कूल सचमुच में हो सकता है? कहीं मैं सपना तो नहीं देख रही। ऐसा सोचते-सोचते उसकी आँखें चमकने लगीं।

   (ख) तोत्तो-चान रेलगाड़ी देखकर आश्चर्यचकित हो गई। क्षण भर बाद वह खुशी से चिल्लाई और रेलगाड़ी को पास से देखने और उसकी सवारी करने के लिए उसकी ओर भागी।

   (ग) माँ ने तोत्तो-चान को डिब्बे के दरवाज़ें पर रोककर कहा कि तुम अंदर नहीं जा सकती, क्योंकि यह कक्षा है और तुमने अभी स्कूल में दाखिला नहीं लिया है। अगर तुम सचमुच इसके अंदर जाना चाहती हो तो तुम्हें इस स्कूल के हेडमास्टर साहब के सामने कायदे से पेश होना होगा।

   (घ) हेडमास्टर साहब का दफ़्तर रेलगाड़ी के डिब्बे में न होकर दाहिने हाथ की ओर एक मंज़िले भवन में सात अर्धगोलाकार सीढ़ियों के ऊपर था।

   (ङ) तोत्तो-चान ने ऐसा हेडमास्टर साहब के लिए कहा, क्योंकि उसे लगा कि रेलगाड़ी के डिब्बों का मालिक स्टेशन मास्टर हो सकता है, हेडमास्टर नहीं।

   (च) रेलगाड़ी के डिब्बों में स्कूल चलाना माँ को अनूठी बात लगी।

2. (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✓) (ङ) (✗)

3. (क) तोत्तो-चान का कहना था कि हेडमास्टर साहब को रेलगाड़ी के डिब्बों का मालिक होने के कारण स्टेशन मास्टर कहना चाहिए, न कि हेडमास्टर। माँ के पास यह समझाने का वक्त नहीं था कि रेलगाड़ी के डिब्बों का मालिक होने के बावजूद हेडमास्टर स्टेशन मास्टर नहीं थे, बल्कि हेडमास्टर ही थे। उसे उस समय हेडमास्टर से मिलना ज़रूरी लगा न कि तोत्तो-चान को समझाना।

Rajat\E:\Full Circle\Amoli_Hindi_Pathmala-6_SD\27-06-2020

(ख) तोत्तो-चान के पापा वायलिन बजाया करते थे।

(ग) तोत्तो-चान ने इस बात पर सहमति जताई कि वायलिन का ढेर होने के बावजूद उनका घर घर था, न कि वायलिन की दुकान। उसी प्रकार रेलगाड़ी के डिब्बों का मालिक होने के बावजूद हेडमास्टर साहब केवल हेडमास्टर ही थे।

बात सोच की

- विद्यार्थी स्वयं करें।

बात भाषा की

1. सीढ़ियाँ, चढ़ना, पेड़, बढ़ना, मुड़ी, झाड़ियाँ, खिलाड़ी, पकड़, टेढ़ी, जड़ें, बड़े-बड़े

2. (क) बंद (ख) सीमेंट (ग) ऊँचा (घ) अंदर
(ङ) कक्षाएँ (च) जाएँगे (छ) गंभीरता (ज) सीढ़ियाँ
(झ) क्यारियाँ

3.

	एकवचन	बहुवचन	तिर्यक रूप
(क)	दरवाज़ा	दरवाज़े	दरवाज़ों से
(ख)	डिब्बा	डिब्बे	डिब्बों में
(ग)	स्कूल	स्कूल	स्कूलों का
(घ)	पेड़	पेड़	पेड़ों पर
(ङ)	झाड़ी	झाड़ियाँ	झाड़ियों में
(च)	रेलगाड़ी	रेलगाड़ियाँ	रेलगाड़ियाँ से
(छ)	टहनी	टहनियाँ	टहनियों पर

4. (क) कर्ता कारक (ख) अधिकरण कारक (ग) संबंध कारक
(घ) कर्ता कारक (ङ) अधिकरण कारक

5. (क) की (ख) कि (ग) की (घ) की
(ङ) कि, कि

6. (क) के बीच (ख) के सामने (ग) की ओर (घ) के बाहर
(ङ) के पीछे